SOCIOLOGY

B.A. II, Paper IV, by Dr. M.A. Joha.

RESEARCH DESIGN

प्रत्येक समाज में अनुसन्धान किसी न किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिये किया जाता है। इस विशेष उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये एक सुस्पष्ट शोध प्रारूप का निर्माण किया जाता है। शोध प्रारूप शोध की एक योजना होती है जिसका निर्माण समस्या की प्रकृति, उद्देश्य एवं उपकल्पना को ध्यान में रख कर किया जाता है। जिस प्रकार किसी भवन का निर्माण करने के पहले उसका blue print तैयार किया जाता है, उसी प्रकार से किसी अनुसन्धान को आरम्भ करने के पहले उसकी भी एक रूपरेखा तैयार करते हैं जिसे शोध प्रारूप कहते हैं। यह शोध प्रारूप अनुसन्धान के कार्यों को निश्चित दिशा प्रदान करता है तथा शोधकर्ता को विषय से भटकने से रोकता है।

अनेक विचारकों ने इसे अपने अपने ढंग से परिभाषित किया है।

Ackoff के अनुसार " निर्णय क्रियान्वित करने की स्थिति आने से पहले ही निर्णय निर्धारण की प्रक्रिया को प्रारूप कहते हैं।" इस से यह स्पष्ट होता है कि उद्देश्य की प्राप्ति के पूर्व ही उद्देश्य का निर्धारण कर के अनुसंधान की जो रूप रेखा बना ली जाती है उसे शोध प्रारूप कहते हैं।

P.V. Young के अनुसार " एक अनुसन्धान प्रारूप अनुसन्धान का तार्किक तथा व्यवस्थित आयोजन एवं निर्देशन है।"

Scanned by CamScanner

Karlinger के अनुसार "अनुसंधान प्रारूप अनुसंधान की एक योजना, संरचना तथा नीति है जिसका प्रयोग अनुसन्धान से सम्बद्ध प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने एवं विवाद पर नियन्त्रण रखने के लिये किया जाता है"

Vimal Shah के अनुसार " Research Design किसी भी अध्ययन की एक योजना है। अतः इसका आयोजन प्रत्येक अध्ययन में किया जाता है चाहे वह अध्ययन नियन्त्रित हो अथवा अनियन्त्रित भावना प्रधान हो या वस्तुनिष्ठ।

इन परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि किसी अनुसन्धान के कार्य को प्रारम्भ करने से पहले उसके उद्देश्यों को ध्यान में रखकर जो योजना एवं रूपरेखा बनायी जाती है। उसी को शोध प्रारूप कहते हैं।

शोध अध्ययनों में कई आधारों पर भिन्नता पाई जाती है। शोध के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विद्वानों ने इसके विभिन्न स्वरूपों की चर्चा की है जो इस प्रकार है।

<u>EXPLORATORY RESEARCH DESIGN</u>

जब अनुसन्धान कर्ता किसी सामाजिक घटना के पीछे छिपे कारणों को जानने के लिये ताकि किसी समस्या के सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक पक्ष के सम्बन्ध

Scanned by CamScanner

में पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके, तब अध्ययन के लिये जिस शोध का सहारा लिया जाता है उसे exploratory Research Design कहते हैं। जिसका उद्देश्य किसी समस्या के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी प्राप्त करके hypothesis का निर्माण करना और अध्ययन की रूप रेखा तैयार करना होता है। इस प्रकार के शोध द्वारा विषय अथवा समस्या का कार्य-कारण सम्बन्ध मालूम हो जाता है परिणामस्वरूप घटनाओं में व्याप्त नियमितता एवं sequence को समझा जा सकता है। इस प्रकार के शोध के माध्यम से शोधविषय की उपयुक्तता का पता भी लगाया जाता है।

इस प्रकार के शोध की सफलता के लिये कुछ अनिवार्य दशाओं का होना जरूरी होता है जैसे।

1. Review of pertinent Literature;
2. Experience Survey
3. Selection of proper Respondents.
4. Proper questionning
5. Analysis of insight stimulating Cases

Function of Exploratory Research Design:-

1. कल्पनाओं का परिक्षण
2. महत्वपूर्ण समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षण
3. नवीन प्राक्कल्पनाओं का विकसित करना।
4. अध्ययन के नवीन क्षेत्रों का विकास

Scanned by CamScanner

(5) शोध पद्धतियों के प्रयोग की उपयुक्तता की सम्भावना का पता लगाना।
(6) शोधकार्य की आधारशिला रखना
(7) विज्ञान की सीमाओं का विस्तार तथा उसके क्षेत्र का विकास
(8) अध्ययन से सम्बन्धित अनेक विषयों पर ध्यान केन्द्रित करने हेतु शोधकर्ता को प्रेरित करना
(9) शोध कार्य से सम्बन्धित अनिश्चितता की स्थिति को दूर कर उसे निश्चय स्वरूप प्रदान करना।

— x —

Scanned by CamScanner